Headline: TDI LAUNCHES 4BHK IN KUNDLI

दैनिक भास्कर

बिजनेस

मैनेजमेंट फंडा...

'क्यों' का जवाब भी हो सकता है कारोबार

मुंबई | मैं कॉलेज के कुछ युवा छात्रों ने अपनी कोशिशों से व्यवसाय के प्रबंधकों के लिए एक नया बिजनेस शुरू किया है। इस कॉलेज के छात्रों का बिजनेस यह है कि वे आपके या आपके बच्चों के दिमाग में उठने वाले हर 'क्यों' का जवाब देते हैं।

व्यवसाय एक दिन में युवक-युवक किसी के घर गए थे, जहां पता इस बात का बताया अपने अभिभावकों से तरह-तरह के सवाल कर रहा था और अभिभावक उसके सवालों के जवाब नहीं दे पा रहे थे। अभिभावकों का कहना था कि बच्चा इंटेलिजेंट है, लेकिन वह जाहिर तौर पर कुछ ऐसे सवाल पूछ रहा था, जिनके वे जवाब नहीं दे सकते थे। यही देखकर उनके मन में रेटोरिशन के जरिए सुनिश्चित सवालों के जवाब देने का विचार आया।

अभिभावकों द्वारा इस तरह सवालों का जवाब न दे पाने के नतीजे खतरनाक थे। इससे बच्चों के मन में अपने अभिभावकों के लिए सम्मान घट रहा था और वे कहने लगे थे कि उनके माता-पिता कुछ नहीं जानते। विद्यालय इस मुश्किल स्थिति को संभालने के लिए इस युवकों ने तय किया कि वे पूर्णतयापन अपना रेटोरिशन के जरिए इस तरह के सवालों के जवाब मुहैया कराएंगे। इसके लिए वह आपसे उनके मासिक रिटेनर चार्ज लेंगे, जिसकी कीमत महज्ञी है। हालांकि यह बिजनेस अभी शुरुआती स्तर पर है, लेकिन युवकों का मानना है कि आने वाले समय यह एक बड़ा व्यवसाय, क्योंकि आज व्यवसाय अभिभावकों के पास समय नहीं है और न ही उनके पास इतना धैर्य है कि वे मुश्किल सवालों का जवाब ढूंढ सकें। जाहिर तौर पर कुछ सवाल तो ऐसे होते हैं जिनका जवाब देना व्यवसाय लोगों के लिए मुश्किल हो सकता है, मसलन- दुख क्यों होता है?; बिना बिस्तर में मुलाक्त क्यों होते हैं, दूसरे बिस्तरों में क्यों नहीं?; पीलापन फुसकर रहती क्यों है?; गेंदों और गेंद में क्या फर्क है?; प्रेस प्रायर की प्रेस प्रायर क्यों बनाते हैं?; नाक काटने पर आंसू क्यों निकलते हैं?; लाल से स्पर्द क्यों बनाता है? इत्यादि-इत्यादि। जाहिर तौर पर ये बहुत मुश्किल सवाल नहीं हैं, लेकिन हम में से कितने को इनके बारे में पूरा नहीं पता होगा। फर्क में उनसे अपने अपना आपसे यह सवाल पूछा करना है कि पीपलों फुसकर रहती क्यों है? मैं सवाल में एक पहेली होगी जो इसके बारे में पता नहीं होगा। हमारी से कई लोग यह नहीं जानते कि दांतों के दर्दों के साथ पानी के बीच अपना खोल और पानी की गौगुनी इसे कहने में मदद करती है। बूढ़ पानी को पूरा जाता है जो इसके ओर का पानी जमित होने लगता है। चूंकि दांतों के खोल में इस काम के निकलने के लिए कोई कुदरत नेचर कोई सुराख नहीं होता, सिवाय खोल के अंदर मौजूद स्थानों जैसे जैसे पानी में बदल जाता है और इसका सारा खोल भाग के दबाव के कारण फट जाता है। सवाल फैलता है और हवा के बुलबुले जैसे एक जैसी में तब्दील हो जाता है। यह जैसे हवा के संपर्क में आते ही दुख नहीं होकर खोल भाग में तब्दील हो जाती है। हवा की बुलबुले पानी के कोशिकाओं को संकेत दूसरे बुलबुले जैसे भाग में तब्दील कर देते हैं। यही परिवर्तन होता है।

फंडा यह है कि...

आज जरूरत है नजर का अपने इर्दगिर्द देखने जैसी अपनी दोस्त का उत्तर जानने के लिए दिलचस्प हो सकती है, लेकिन उन्हें इसके जवाब नहीं मिल पाते हैं, उन सवालों का जिन्हें अपने अंदर का सवाल है, जो हम कुछ अभिभावकों की तरह 'क्यों' हमेशा पूछते रहते हैं।

इस बार मानसून दे बदलेगा बाजार क

विजनेस भास्कर एडिटोरियल | नई दिल्ली, मुंबई

आने वाले दिनों में बाजार की स्थिति बारिश का तय मानसून की प्रगति पर निर्भर करेगी। विशेषज्ञों का मानना है कि मानसून के सही समय पर सक्रिय हो पाने के मद्देनजर बाजार में तेजी का माहौल बना रहेगा। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों के दामों को लेकर 9 जून को होने वाली तेल कंपनियों की बैठक पर भी बाजार की निगाह लगी रहेगी। इस बैठक में आने वाले दिनों तक की नकारात्मक खबरें विश्लेषकों को बाजार का रुख समझने की अवसरों भी मदद देंगी। मोतीलाल ओसवाल सिक्योरिटीज के एक्सीक्यूटिव वाइस-प्रेसीडेंट एवं वरिष्ठ विश्लेषक (टेक्नीकल इंस्टिट्यूट) मनीष शाह के मुताबिक जैसे दिनों के नतीजों का सीधा असर हो जाने के बाद हमें बाजार में लगातार तेजी की उम्मीद है। इसमें सबसे अच्छा सकारात्मक पहलू यह है कि मानसून की प्रगति का घरेलू मांग के दिसंबर से ही जोर है। हालांकि, मोतीलाल सेगमेंट अभी भी मजबूत है और पेंटे में प्रोमोशन एंड मैक के दामों में बढ़ोतरी की संभावना 9 जून को होने वाली सरकारी बैठक के नतीजे भी बाजार को सेंसेक्स से प्रभावित रहेंगे। पेट्रोलियम उत्पादों के दामों में किसी भी तरह की बढ़ोतरी करने को लेकर सरकार की तरफ से अपने फाल पिलाना बाजार की बढ़ोतरी में बाधक साबित कर सकता है। साथ ही, बाजार की चाल को प्रभावित करने वाले कई अन्य कारक भी आने वाले दिनों में दिखाई पड़ सकते हैं। अर्थशास्त्रियों के मुताबिक (डिप्टी इकोनॉमिस्ट) जोर अंकारे के मुताबिक आने वाले दिनों में बाजार की दिशा पर असर डालने वाली कई महत्वपूर्ण घटनाएं होने जा रही हैं। अमेरिकी की 16 जून को होने वाली एफ-दिसंबरी की समीक्षा

टीडीआई ने लगाए एक हजार पौधे

विजनेस भास्कर | गोरेगांव

विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर लोनेज डेवलपर्स एंड इंफ्रास्ट्रक्चर (टीडीआई) ने गोरेगांव-वेस्ट मार्ग पर और मोहाली-लोअर, बहुत सड़क पर आने वाले इंडस्ट्रियल एवं कमर्शियल प्रोजेक्ट्स में एक हजार से अधिक पौधे लगाए। इस मौके पर टीडीआई के चेयरमैन सुनिल के सोनी ने बताया कि टीडीआई अपने प्रोजेक्ट्स में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देती है। सभी प्रोजेक्ट्स को ग्रीन बनाए रखने के लिए आस पास पेड़-पौधों को लगाने पहले सोचा किया जाता है ताकि वे सेलेक्ट के पूरा होने तक आगे पूरे आकार में आ जाए। विश्व पर्यावरण दिवस पर एक हजार से अधिक पौधे रोपित कर यह उद्देश्य और भी बढ़ा हो जाता है। इस बार तो विश्व पर्यावरण दिवस का मेसेज भी अपना रही है।

बाजारों को '

डेस्क | नई दिल्ली

एंजी बाजारों को वास्तविक इकाइयों से जोड़ने की कवायद सिलसिले के लिए सेबी जल्द एक नीति निर्धारित करने वाला है। सेबी का मुख्य मकसद बाजारों को 'फ्रीडम ट्रैक' जैसी उन स्थितियों के लिए तैयार करना है, जब किसी कुछ स्टॉक्स में हुई ट्रेड सिमेट्रिक की देखादेखी बाजार के ज्यादातर स्टॉक सिमेट्रिक की ओर खिसकने लगते हैं।

ऐसी स्थितियों का मुकाबला करने के लिए सेबी बाजारों को एक खास तरह की व्यवस्था सीमा से गुजारने वाला है। बाजारों में कई बार ऐसा देखा गया है कि एक या एक से ज्यादा स्टॉक्स में तेज सिमेट्रिक को देखते हुए निवेशक देखादेखी दूसरे स्टॉक्स में भी बिकवाली शुरू कर देते हैं। इस बारे में सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना था कि बाजार सिमेट्रिक एक ऐसी तैयार करने जा रहा है, ...

कॉर्पोरेट ऑफ

अब डीजल की कीमत उड़ाएगी आपके होश!